Nai Dunia (Indore), 9th November 2021, Page-02

उच्च शिक्षा दो वर्ष के मास्टर आफ साइंस प्रोग्राम करने के लिए दो प्रमुख संस्थानों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

आइआइटी और आइआइएम इंदौर पढ़ाएंगे डाटा साइंस एंड मैनेजमेंट

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भारतीय प्रबंध संस्थान (आआइएम) इंदौर मिलकर दो वर्ष का डाटा साइंस एंड मैनेजमेंट कोर्स कराएंगे। इस संबंध में दोनों संस्थानों के बीच समझौता हुआ।

डाटा साइंस एंड मैनेजमेंट मास्टर डिग्री कोर्स है। इसे शुरू करने का उद्देश्य बड़ी डाटा प्रौद्योगिकियों और समाधान, डाटा प्रबंधन कौशल, परियोजना प्रबंधन, बड़े डाटा का विश्लेषण, जीवन चक्र और सिस्टम सोच के लिए बहुत आवश्यक कौशल विकसित करना है। कोर्स को नए स्नातकों के साथ कार्यकारी अधिकारी भी कर सकेंगे। पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम पात्रता मानदंड बीटेक, बीई, बीएस, बीफार्मा, बीआर्क, चार वर्षीय बीएससी, एमएससी, एमसीए, एमबीए या समकक्ष विषय में प्रथम श्रेणी की डिग्री होनी जरूरी है। इसी क्रम में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर के विजय राघवन, आइआइटी इंदौर बोर्ड के चैयरमेन प्रोफेसर दीपक बी फाटक ने संस्थान में नालंदा सभागार का आनलाइन उद्घाटन भी किया।

आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निर्देशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने कहा कि इंदौर एकमात्र ऐसा स्थान है जहां दोनों प्रमुख संस्थान यानी आइआइटी और आइआइएम हैं। हमने पिछले साल सितंबर में संसाधन और संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों की दिशा में काम के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। मुझे बहुत खुशी है कि डाटा विज्ञान और प्रबंधन में मास्टर आफ साइंस कार्यक्रम की शुरुआत के साथ अब विचार प्रक्रिया को क्रियान्वित किया गया है। पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह डाटा विज्ञान और प्रबंधन क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों की आवश्यकता को पूरा करता है।

आइएमएस की एलुमनी का गठन

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडी (आइएमएस) में एलुमनी एसोसिएशन का गठन किया गया। डा. गिरीश गुप्ता (अध्यक्ष), सुनीता किशनानी (उपाध्यक्ष), हेमंत विजयवर्गीय (सचिव) और डा. गजेंद्र नारंग को मनोनीत किया गया है।

आइआइटी इंदौर का दीक्षा समारोह आज

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर का नौवां दीक्षा समारोह मंगलवार दोपहर 2.30 बजे से हाइब्रिड माध्यम के जरिये शुरू होगा। समारोह में 499 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इस वर्ष बीटेक कोर्स के गौरव अनिल खाड़से को प्रेसीडेंट आफ इंडिया गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। मुख्य अतिथि भारत सरकार के प्रधान विज्ञानी सलाहकार प्रो. के. विजय राघवन और विशिष्ट अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्ध मोदी के सलाहकार अमित खरे होंगे। दोनों अतिथि आनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। कोरोना गाइडलाइन के निर्देशों को ध्यान में रखकर संस्थान ने कार्यक्रम में 200 विद्यार्थियों और माता-पिता को परिसर में

आमंत्रित किया है। बाकी विद्यार्थी अपने घर से आनलाइन माध्यम से शामिल होंगे। संस्थान में हाल ही में मध्य भारत का सबसे बड़ा सभागृह बनकर तैयार हुआ है। इसमें एक साथ दो हजार दर्शक बैठ सकते हैं। साथ में लैपटाप और आइपैड का उपयोग भी इंटरनेट के साथ कर सकते हैं। सभागृह से लगी हुई 50 कक्षाएं और चार सेमिनार हाल भी बनाए गए हैं ताकि सभी तरह के आयोजन एक ही परिसर में किए जा सके।